बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना –सफलता की कहानी
दुग्ध सहकारी समिति संजरा, जिला सागर

बुन्देलखण्ड क्षेत्र का सागर जिला अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण प्रारंभ से ही औद्योगिक विकास के साथ ही साथ अन्य क्षेत्रों विशेषकर कृषि एवं पशुपालन में अत्यंत पिछडा रहा है। क्षेत्र के किसानों में पशुपालन के प्रति रूचि विकसित करने हेतु सागर जिले में बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज के तहत बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना का क्रियान्वयन माह नवम्बर 2010 से प्रारंभ किया गया। दुग्ध सहकारी समिति संजरा इसी योजना के तहत गठित समिति है। गांव में डेरी गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन होने से ग्राम के पशुपालकों की वित्तीय एवं पारिवारिक स्थिति में आमूल–चूल परिवर्तन हुआ है। उल्लेखनीय है कि दुग्ध समिति के गठन से पहले जहां ग्राम के दूध उत्पादकों का दूध प्रायवेट व्यापारियों द्वारा औने–पौने दामों पर लगभग रू 15 प्रति लीटर से दूध क्रय किया जाता है जबकि अब उन्हें उसी दूध के लगभग दोगुने दाम प्राप्त हो रहे हैं।

संजरा ग्राम के किसानों के इस कायाकल्प के पीछे ग्रामवासियों का अथक प्रयास रहा है। जिले की गढाकोटा तहसील के ग्राम संजरा में जनवरी .2012 में ग्राम के 42 पशुपालकों द्वारा मात्र रू 12600 अंशपूंजी एकत्रित कर दुग्ध सहकारी समिति का गठन किया गया। ग्राम में आचार्य विद्यासागर योजना अंतर्गत उन्नत पशुओं के प्रदाय एवं दूध उत्पादकों द्वारा स्ववित्त से दुधारू पशु क्रय किए जाने के फलस्वरूप दुग्ध समिति द्वारा एक वर्ष में ही 54575 लीटर दुग्ध विक्रय किया गया है। समिति द्वारा वर्तमान में लगभग 650 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित किया जा रहा है। समिति की डेयरी गतिविधियों से प्रभावित होकर ग्राम की महिलाओं द्वारा भी पशुपालन में रूचि ली जाने लगी है तथा ग्राम की 13 महिलाओं ने दुग्ध समिति की सदस्यता भी प्राप्त कर ली है।

दुग्ध समिति की कार्यप्रणाली के प्रति पशुपालकों की विश्वसनीयता में वृद्धि करने हेतु एवं पूर्ण पारदर्शिता रखने के दृष्टिगत समिति में इलेक्ट्रानिक मिल्कोटेस्टर, तौल कांटा उपकरण की स्थापना की गई है। किसानों को पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि एवं गुणवत्ता में सुधार हेतु हरे चारे के उत्पादन तथा पशुओं का वैज्ञानिक तौर तरीकों से रख–रखाव करने का प्रशिक्षण दिया गया है। पशुओं के उपचार हेतु डीवर्मिंग, टीकाकरण की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पशु पालकों को चॉफ कटर भी प्रदाय किए गए है। समिति के निरंतर लाभ में संचालन से डेयरी कार्यक्रम के प्रदेश के दूरस्थ अंचल में लागू होने से ग्रामवासी अत्यंत उत्साहित हैं तथा दुग्ध व्यवसाय को अपनी आय का मुख्य साधन बनाने हेतु कृत संकल्पित हैं।

.....